14

मैं कौन हूँ ?

मैं आसमान में छाए बादलों में रहता हूँ। वहाँ से बरसकर धरती पर चला आता हूँ। तुम कागज की नाव बनाकर मुझ में ही तैराते हो।

बताओ, मैं कौन हूँ ?

मैं सोतों से निकलता हूँ। तालाबों और झीलों में जमा होता हूँ। नदियों में बहता हूँ। बहकर समुद्र में पहुँचता हूँ। वहाँ से भाप बनकर उड़ जाता हूँ और बादल बनकर बरस जाता हूँ।

बताओ, मैं कौन हूँ ?

मैं नल में आता हूँ। कुओं से निकाला जाता हूँ। बाँधों में जमा होता हूँ।

बताओ, मैं कौन हूँ ?

तुम मुझसे ही हाथ–मुँह धोते हो, नहाते हो, कपड़े धोते हो। प्यास लगने पर मुझे पीते हो। मुझसे ही तुम खाना बनाते हो।

सभी पशु–पक्षी मुझे पीते हैं। किसान मुझसे ही पेड़–पौधों और फसलों को सींचते हैं। मछलियाँ मुझमें ही रहती हैं।

बताओ, मैं कौन हूँ ?

मेरी जरूरत सभी को है। अगर मैं साफ रहूँ तो तुम स्वस्थ रहते हो।

कोई मुझे गंदा कर देगा तो तुम बीमार हो जाओगे। इसलिए मुझे सदा साफ रखना। जितना जरूरी हो उतना ही प्रयोग करना। तभी तुम स्वस्थ और प्रसन्न रहोगे।

अब तो तुम जान गए कि मैं कौन हूँ ? जरा मेरा नाम बताओ ?

अभ्यास

1. उत्तर लिखो –

   हमें पानी कहाँ–कहाँ से मिलता है ?

2. चार ऐसे शब्द लिखो जिनके बाद में 'नी' आता है –

   जैसे – पानी, कहानी

   ....

3. पानी के बारे में तीन वाक्य अपनी कॉपी में लिखो।

4. तुम पानी की बरबादी कैसे रोक सकते हो ?

   स्कूल में–.....

   घर में, ...

   आस–पास– .....

5. पढ़ो और समझो –

   पानी– जल, नीर। नाव– नैया, नौका।

6. पानी पर कोई कविता अपनी सहेली/मित्र को सुनाओ।

7. चित्र को देखो, सोचो– बंदर ऐसा कर सकता है तो हम क्यों नहीं?

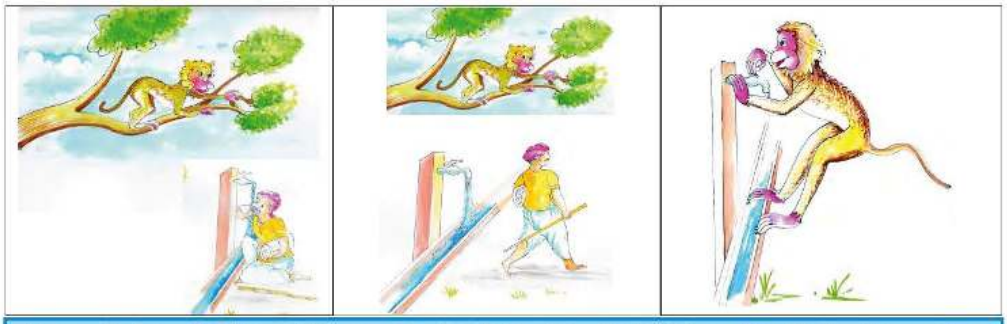

बच्चों से पानी की उपयोगिता पर चर्चा करें। गन्दे पानी से होने वाली हानियों को समझने का अवसर भी बच्चों को दें। पानी के सीमित उपयोग के बारे में बच्चों को जागरूक बनाएँ।